Power Generation Targets and their Achievement

1331. SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN :

DR. NARREDDY THULASI REDDY :

SHRI J. S. RAJU :

Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether it is fact that the target fixed for additions to installed generating capacity for the year 1990-91 was 4212 M. W., but the commissioned capacity in that year was only 2776.5 M. W.;

(b) what is the target fixed for the same during the years 1991-92 and 1992-93;

(c) what steps were taken to achieve the target in the year 1991-92 and what steps are being taken for the purpose during the year 1992-93;

(d) what has been the achievement during these years, separately, in each year;

(e) whether the targetted capacity was achieved or not; and

(f) if no, what are the reasons for not meeting the targetted capacity ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KAI.P NATH RAI) : (a) Yes, Sir.

(b) to (f) The capacity addition target and achievement during the years 1991-92 and 1992-93 are as under :—

Year	Target	Achievement
1991-92	3110.8 MW	3026.5 MW
1992-93 (Upto Oct. 92)	1937.59 MW	1489 MW

The slippeges in the programme are mainly due to delay in supply of equipment, delay in civil works and unit-eicc-tion, resource-constraints and disturbed law and order situation in some parts of the country.

To achieve the goal of capacity addi tion as per the target set for the powe sector, concerted efforts are being madi by all the concerned agencies viz. Stat< Electricity Board/Project authorities, Cen tral Electricity Authority (CEA), BHEl and other suppliers. Rigorous monitor ing of the projects during their execution both by the Ministry of Power and the CEA at the Central and Electrity Boards Project authorities at the State level, ii also undertaken.

विद्युत संयंत्रों के लिए विश्व बैंक ऋण

1332. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को अपने कतिपय विद्युत संयंत्रों/परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक से ऋण प्राप्त होने के बारे में गंभीर आशंकाएं हैं, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या इस संबंध में विश्व बैंक ने कोई नई नीति बनाई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उसकी क्या-क्या शर्तें हैं ;

(ग) क्या नीति की कुछ शर्तें स्वीकार्य नहीं है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने विश्व बैंक के अध्यक्ष से उनके भारत के दौरे के दौरान इस सम्बन्ध में कोई बातचीत की है, यदि हां तो उसका परिणाम क्या है;

(ङ) विश्व बैंक से ऋण न मिलने के कारण किन-किन बिजली संयंत्रों/परियोजनाओं पर दुष्प्रभाव पड़ेगा; और

(च) क्या सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई वैकल्पिक योजना बनाई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) "समयमान" (टाइम स्केल) धारणा के अधीन राष्ट्रीय